K.Alam M.A III Sem

8 23/09/2021

अपनी कामेच्छा की संतुष्टि प्राप्त क[illegible]
है।

एक आस्ट्रीयन उपन्यासकार एल्फ्र[illegible] सेकर-मैसोक (L.V. Sacher-Mascoh) ने [illegible] पात्र अपने-आप को कष्ट पहुँचाकर लैंगिक आनन्द प्राप्त करते थे। इन्हीं के नाम पर इस लैंगिक विकृति का नाम मनोरोग विज्ञानियों द्वारा ~~[illegible]~~ Masochism रखा गया। प्रसिद्ध मनोरोगविज्ञानी ईस्ट (East,[illegible]) द्वारा अध्ययन के दौरान एक महिला का केस आया जो चाकू से अपने बाँह, पैर या स्तन को हल्के ढंग से चीरा लगाकर या सुई चुभोकर अपने को कष्ट पहुँचा कर अपनी लैंगिक इच्छा को संतुष्टि प्राप्त करती थी। साथ ही साथ उन घावों से निकलने वाले खून को देख कर बहुत खुश हुआ करती थी। अध्ययनों में पाया गया है कि इस प्रकार की लैंगिक विसामान्यता पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं में अधिक देखने को मिलता है।

अनुबंधित सीखना (Conditioned learning) को इस असामान्यता का मुख्य कारण माना गया है और इस विकृति के उपचार के लिए व्यवहार चि[illegible]त्सा की विरुची अनुबन्धन प्रविधि (Aversive conditioning technique) को अधिक उपयुक्त पाया गया है।

K. Nand M.A. III Sem
23/09/2021 9

(6) बाल लैंगिकता (Paedophilia) — इस लैंगिक विसामान्यता से ग्रस्त व्यक्ति छोटे-छोटे बच्चों को अपनी वासना का शिकार बनाते हैं। इनमें ये अपने यौन-अंगों (Sex organs) को पकड़वाते हैं और उनके साथ यौन संबंध भी स्थापित करते हैं। महिलाओं की अपेक्षा पुरुष इस विकृति से अधिक ग्रस्त पाये जाते हैं।

रौसमैन (Rossman, 1973) ने अपने अध्ययन के आधार पर इस विकृति से ग्रस्त व्यक्तियों को चार श्रेणियों रखा है —

(i) व्यक्तिगत रूप से अपरिपक्व अपराधी (Personally immature offender) — इस श्रेणी में वैसे व्यक्तियों को रखा गया है जो अपने समकक्ष साथी के साथ संतोषजनक यौन संबंध स्थापित नहीं कर पाते हैं। ये अपने से काफी कम उम्र के बच्चों के साथ अच्छा यौन संबंध स्थापित करनेवाले होते हैं। क्योंकि ये हमउम्र साथियों से यौन संबंध बनाने में अपने आप को अक्षम या असहज पाते हैं। मनोरोग विज्ञानियों का मानना है कि लैंगिक विकास की अवस्था में ये स्थिरीकृत (fixated) हो जाते हैं।

(ii) प्रत्यागमित अपराधी (Regressed offender) — इस बाल लैंगिकता विकृति से ग्रस्त पुरुष सामान्य लैंगिक संबंध स्थापित करने में इसलिए विफल हो जाते हैं कि उन्हें यह विश्वास हो जाता है कि उनके मान्य यौन साथी का संबंध किसी दूसरे के साथ

K. Nand M.A III Sem's
23/09/2021

10

है। फलत: अचेतन रूप से उनमें यौन प्रतियाग के लक्षण विकसित हो जाते हैं और वे अपनी काम पिपासा को शांत करने के लिए छोटे-छोटे बालकों या बालिकाओं को अपनी काम तृप्ति का साधन बनाते हैं। आए दिन संचार माध्यमों से हमें कम उम्र के बच्चे-बच्चियों के यौन शोषण का जो समाचार मिलता है वह ऐसे ही लैंगिक विसामान्यता ग्रस्त व्यक्तियों की करतूतें हुआ करती हैं।

(iii) अनुबंधित अपराधी (Conditioned offender) — अनुबंधित कामलोलुपता से ग्रस्त अपराधी गलत ढंग से यौन तृप्ति प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं। बार-बार इससे वे अनुबंधित हो कर इसी से परमसुख की प्राप्ति करने लगते हैं। साथ-ही-साथ वे अपनी इस आदत को आजीवन बनाये रखते हैं।

(iv) मनोविकारी अपराधी (Psychopathetic offender) — समाज विरोधी एवं मनोविकारी व्यक्तित्व वाले व्यक्तियों में इस काल लैंगिकता की विकृति प्रायः देखने को मिलती है। नित्य नये-नये बालक-बालिकाओं को अपना शिकार बनाते हैं और अपनी उन्मत्त काम भावना की संतुष्टि प्राप्त करते हैं। इनकी खास विशेषता यह होती है